SEM-3, Se-301, By- DE. Shyam Bihari Choudhary

Topic- Prevention of Neurological children

Camlin Page (2)

Date 05/10/2020

विकारयुक्त बन सकती है

(b) पौष्टिक तत्वों विशेषकर आवश्यक विटामिनों की कमी बालकों में रुधिर निर्माण तथा प्रवाह को प्रतिकूल रूप में प्रभावित करते हुए उनके केन्द्रीय स्नायु संस्थान की कार्य प्रणाली को दोषपूर्ण तथा विकारग्रस्त बना सकती है।

संक्षेप में कहा जाये तो व्यक्ति विशेष की अधिगम क्षमता और सामर्थ्य बहुत सीमा तक उसके केन्द्रीय स्नायु संस्थान की समुचित कार्य प्रणाली पर टिका हुआ है जैसे ही प्रणाली में कोई दोष या विकार पैदा होता है उसका सीधा असर व्यक्ति विशेष के अधिगम क्षमता और सामर्थ्य पर पड़ता है। इस दृष्टि से कोई भी ऐसी बात जिसके द्वारा केन्द्रीय स्नायु संस्थान के किसी भी अवयव की क्षति पहुंचे वह उसकी कार्य प्रणाली को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करती हुई अधिगम अक्षमता या अपंगता का एक बड़ा कारण बन सकती है